7

दी नेकस्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 प्राण प्रतिष्ठाः प्रभु राम के मित्र गुह्यराज के वंशज भी बने यजमान

5 अदालत में 33 साल से चल रही मुकदमेबाजी

8 सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 27 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 29 जनवरी, 2024

बिहार में बड़ा बदलाव

नौ वर्षों में नीतीश कुमार ने चौथी बार बदला पाला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बिहार में नीतीश कुमार के शामिल होने की चर्चा थी, लेकिन जदयू ने अब इससे साफ इनकार कर दिया। अब नीतीश ने राज्यपाल को इस्तीफा सौंपकर एनडीए में दोबारा शामिल होने का रास्ता साफ कर लिया है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने रविवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसी के साथ बिहार में महागठबंधन में उनका 18 महीने का साथ खत्म हो गया। हालांकि, राजद से अपनी बढ़ती दूरी का साफ संकेत नीतीश ने बुधवार को ही दे दिया था। रविवार को कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर नीतीश अकेले ही कर्पूरी ठाकुर के घर चले गए, जबकि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को उनके साथ जाना था। उसके बाद नीतीश ने कर्पूरी जयंती के अवसर पर परिवारवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए पीएम मोदी की तारीफ कर दी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बिहार में नीतीश कुमार के शामिल होने की चर्चा थी, लेकिन जदयू ने अब इससे साफ इनकार कर दिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई बार पहले भी पाला बदल चुके हैं।

इससे पहले 2013 में जदयू ने भाजपा से नाता तोड़कर राजद और कांग्रेस के साथ. गठबंधन किया था। 2017 में जदयू ने एनडीए में भाजपा के साथ अपना जुड़ाव फिर से बढ़ा दिया और 2019 का लोकसभा चुनाव और 2020 का बिहार विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ा। अगस्त 2022 में, नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री बनने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से नाता तोड़ लिया और महागठबंधन के साथ गठबंधन कर लिया। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनाने में हमारे नेता ने मुख्य भूमिका निभाई है और सीट बंटवारा नहीं होने से सहयोगी दलों में नाराजगी बढ़ रही हैं। वहीं, इस पूरे सियासी प्रकरण पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी सहित कई नेताओं को भाजपा ने दिल्ली तलब किया है।

डैमेज कंट्रोल के साथ जदयू को तोड़ने की कोशिश

राजद और कांग्रेस नीतीश को मनाने में जुटी है। बृहस्पतिवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने नीतीश को कॉल किया। राजद सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाने में भी लगी है। बिहार में बहुमत का जादुई आंकड़ा 122 का है। राजद, कांग्रेस और वामदलों का आंकड़ा 114 मतलब बहुमत से आठ कम पर रुकता है। नीतीश के तेवर दिखाने के बाद राजद ने हम और जदयू के बागी विधायकों से संपर्क साधा है।

दिल्ली। आम चुनावों के लिए भाजपा ने अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया। गुरुवार को नव मतदाता सम्मेलन में पार्टी ने 'सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं' थीम सॉन्ग लॉन्च किया। भले ही लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान होने में समय है लेकिन भाजपा अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ गई है। गुरुवार को भाजपा ने 2024 आम चुनावों के लिए अपने आधिकारिक अभियान की शुरुआत कर दी। इसी कड़ी में पार्टी ने लोकसभा चुनावों के लिए अपने अभियान का थीम सॉन्ग लॉन्च किया।

2024 आम चुनावों के लिए भाजपा का प्रचार अभियान 'सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं' थीम पर आधारित होगा। यह थीम सॉन्ग फर्स्ट टाइम वोटर्स कॉन्क्लेव (नव मतदाता सम्मेलन) में लॉन्च किया गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में इस थीम सॉन्ग को जारी किया। इस दौरान पार्टी ने दावा किया कि नए अभियान का विषय 'मोदी की गारंटी' का भी पूरक है।

हाकी के लिए गोरखपुर शहर में खिलाड़ियों को मिलेगा एक और ग्राउंड

गोरखपुर। रेलवे स्टेडियम में हॉकी के लिए अलग ग्राउंड बनाने के साथ ही भविष्य में इसे एस्ट्रो टर्फ बनवाने की भी योजना है। नरसा महासचिव पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में अभी हॉकी के लिए अलग ग्राउंड नहीं था। स्टेडियम के सामने थोड़ी जमीन खाली पड़ी थी। गोरखपुर से हॉकी में कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुलंदियों को छुआ है। हॉकी के लिए गोरखपुर में कुछ चुनिंदा ग्राउंड ही हैं जहां खिलाड़ी प्रैक्टिस कर सकते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे इस समस्या को कुछ हद तक दूर करने जा रहा है। जल्द ही हॉकी खिलाड़ियों को शहर में एक और ग्राउंड मिल जाएगा। अभी तक स्पोर्ट्स स्टेडियम, एमएसआई इंटर कॉलेज, स्पोर्ट्स कॉलेज और सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में खिलाड़ी हॉकी की प्रैक्टिस करते हैं। इसमें रेलवे और रीजनल के ग्रांउड में अन्य खेल भी होते हैं जिसकी वजह से खिलाड़ियों को अभ्यास का पूरा मौका नहीं मिलता। सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में खाली पड़ी जमीन को साफ करवाकर हॉकी के लिए तैयार किया जा रहा है। बहुत जल्द खिलाड़ी यहां हॉकी खेल सकेंगे।

एस्ट्रो टर्फ की भी तैयारी

रेलवे स्टेडियम में हॉकी के लिए अलग ग्राउंड बनाने के साथ ही भविष्य में इसे एस्ट्रो टर्फ बनवाने की भी योजना है। नरसा महासचिव पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में अभी हॉकी के लिए अलग ग्राउंड नहीं था। स्टेडियम के सामने थोड़ी जमीन खाली पड़ी थी। इसकी साफ–सफाई करवाकर इसे हॉकी के लिए तैयार किया जा रहा है। भविष्य में इसपर एस्ट्रो टर्फ लगवाने की भी योजना है।

ग्राउंड से खिलाड़ियों को मिलेगा लाभ

ओलंपियन, 1986 में अर्जुन अवार्डी और हॉकी कोच प्रेममाया ने बताया कि गोरखपुर में हॉकी के लिए ग्राउंड की बहुत जरूरत है। रेलवे स्टेडियम में ग्राउंड तैयार हो जाने से खिलाड़ियों को बहुत लाभ मिलेगा। भविष्य में अगर यह एस्ट्रो टर्फ हो जाता है तो इससे उनकी तैयारी और भी अच्छी होगी क्योंकि अब हॉकी के सभी मैच इसी टर्फ पर होती हैं।

बोले खिलाड़ी...

आकिब मुस्तफा ने कहा कि हॉकी के लिए गोरखपुर में ग्राउंड बहुत कम है। रीजनल और रेलवे स्टेडियम में सभी खेलों के लिए एक ही ग्राउंड है। एमएसआई में ज्यादा खिलाड़ी प्रैक्टिस करते हैं। रेलवे में हॉकी का अलग ग्राउंड तैयार हो जाएगा तो इससे हमें काफी मदद मिलेगी। सोहेल ने कहा कि सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में हॉकी के लिए अलग ग्राउंड की बहुत जरूरत थी।

अयोध्या-श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली

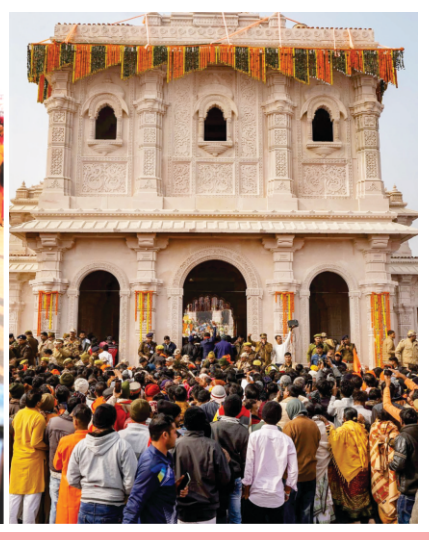

सम्पादकीय

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न सामाजिक न्याय की जीत

प्रसिद्ध समाजवादी नेता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकु र को भारत सरकार की ओर से भारत रत्न (मरणोपरात) देने का मंगलवार को ऐलान किया गया जो देश में सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज के निर्माण की ज़रूरत को मान्यता मिलने जैसा है

प्रसिद्ध समाजवादी नेता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकु र को भारत सरकार की ओर से भारत रत्न (मरणोपरात) देने का मंगलवार को ऐलान किया गया जो देश में सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज के निर्माण की ज़रूरत को मान्यता मिलने जैसा है। इसे लेकर लोगों में हर्ष तो है, परन्तु उससे ज्यादा वे अचंभित हैं क्योंकि इसका ऐलान ऐसी सरकार के द्वारा हुआ है जिसका विश्वास और विचार इसमें कतई नहीं है। इसलिये अनेक लोगों का कहना है कि यह निर्णय सम्मान से कहीं अधिक सियासती समीकरणों को साधने के उद्देश्य से दिया जा रहा है। बहरहाल, इस पुरस्कार के लिये कर्पूरी ठाकुर जैसी शख्सियत का चुनाव उन सभी को संतुष्ट करता है जिनका विश्वास जातिविहीन व समतामूलक समाज में है और जो चाहते हैं कि सभी संसाधनों एवं अवसरों तक दलितों, वंचितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं समेत सभी कमजोर वर्गों की पहुंच बने। कर्पूरी ठाकुर इसी के पुरोधा थे।

बिहार के मुख्यमंत्री का पद पहली बार दिसम्बर 1970 से जून 1971 तक और फिर जून 1977 से अप्रैल, 1979 तक सम्हालने वाले कर्पूरी ठाकुर का जन्म ठीक 100 साल पहले यानी 24 जनवरी, 1924 को समस्तीपुर में हुआ था और निधन 17 फरवरी, 1988 को। 1942 में महात्मा गांधी द्वारा छेड़े गये भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने के कारण उन्हें भागलपुर की जेल में लम्बी यातनापूर्ण सजा काटनी पड़ी। वे आचार्य नरेन्द्र देव, जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया, मधु लिमये आदि के नज़दीकी लोगों में थे। 1967 के आम चुनाव में उनके नेतृत्व में संयुक्त समाजवादी दल (संसोपा) बड़ी शक्ति बनी तथा वे पहली बार सीएम बने। बाद में वे सांसद बने, विधानसभा में विपक्षी दल के नेता भी रहे। उनका दूसरा कार्यकाल बहुत उल्लेखनीय रहा जिसमें उन्होंने सामाजिक न्याय की अवधारणा को साकार किया। अपनी सादगी, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता के लिये प्रसिद्ध कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़ों, वंचितों, शोषितों के लिये उल्लेखनीय कार्य किये जिसके कारण उन्हें 'जननायक' कहा जाने लगा। वे एक ओजस्वी वक्ता थे। आजादी के आंदोलन के दौरान उन्होंने पटना के कृष्णा टाकीज़ हॉल में छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'हमारे देश की आबादी इतनी है कि उनके केवल थूक देने से ही अंग्रेजी राज उड़ जायेगा।' इस भाषण से अंग्रेज अधिकारी इतने नाराज़ हुए कि उन्होंने उन पर जुर्माना ठोंक दिया। आजादी के बाद भी वे लोगों को अपने अधिकारों के लिये सतत लड़ने हेतु प्रेरित करते रहे। उनका लोकप्रिय नारा था–

'सौ में नब्बे शोषित हैं, शोषितों ने ललकारा है।
धन, धरती और राजपाट में नब्बे भाग हमारा है।'

कर्पूरी ठाकुर अति पिछड़ा जाति (नाई) के थे। हालांकि इस जाति की आबादी बहुत कम है, परन्तु अपने विचारों व जीवन शैली के कारण वे सभी वर्गों में बेहद लोकप्रिय थे। पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण देने वाले कर्पूरी के ही मार्गदर्शन में समस्त पिछड़े वर्गों ने सत्ता पाने के लिये ध्रुवीकरण किया। समाजवादी विचारधारा एवं हिन्दी के प्रसार के अलावा किसानों तक कृषि का अधिकतम लाभ पहुंचाने की उन्होंने व्यवस्था की। उन्हें ऐसे वक्त में मोदी सरकार ने देश का यह सर्वोच्च पुरस्कार देने का ऐलान किया है जब भारत की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। एक ओर है राममंदिर, जिसका नेतृत्व स्वयं श्री मोदी अपनी भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधि के रूप में कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस है जो सामाजिक न्याय का मुद्दा उठाये हुए है। उसके साथ अन्य तकरीबन 27 गैर भाजपायी दल है– 'इंडिया' गठबन्धन के नाम व रूप में। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना कराना चाहते हैं। वे बताते हैं कि देश में सबसे ज्यादा पिछड़े वर्ग के लोग हैं जिन्हें सत्ता में उसी अनुपात में भागीदारी मिलनी चाहिये। सवर्णवादी सोच पर आधारित भाजपा व संघ की जमीन इसके कारण खिसकी हुई है क्योंकि दोनों इस विचारधारा के विपरीत ध्रुव पर खड़े हैं। नरेन्द्र मोदी तो कह चुके हैं कि देश में केवल दो ही जातियां हैं– गरीब और अमीर।

22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के बिलकुल दूसरे दिन अगर कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा होती है तो साफ है कि सामाजिक न्याय की आंच अब भाजपा के नज़दीक पहुंच चुकी है। राममंदिर का प्रभाव देशवासियों पर वैसा होता नहीं दिख रहा है जिसकी मोदी को अपेक्षा थी। भाजपा सोचती थी कि राममंदिर से भावना का वैसा ही ज्वार उठ खड़ा होगा जैसा 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले हुआ था– बालाकोट एवं पुलवामा के चलते। अगले तीन महीनों में होने जा रहे आम चुनाव में तय है कि सामाजिक न्याय का हथियार विपक्ष के पास होगा जिसका मुकाबला मोदी को अपने राममंदिर नामक शस्त्र से करना है। सभी जानते हैं कि श्री मोदी प्रतिपक्ष के प्रति कतई उदार नहीं हैं। अगर वे ऐसे किसी व्यक्ति को सम्मानित करते हैं तो उसके पीछे कोई सियासी खेल ज़रूर होता है। खासकर, वे किसी के बरक्स किसी अन्य को खड़ा करने के लिये ऐसा करते हैं। मसलन, नेहरू को नीचा दिखाने के लिये उन्होंने सरदार पटेल की मूर्ति लगवा दी। गांधी परिवार को नीचा दिखाने के लिये प्रणव मुखर्जी या फिर पं. मदन मोहन मालवीय को यह पुरस्कार इसी सरकार द्वारा दिया गया। इसलिये जब सामाजिक न्याय के इस महानायक को भारत रत्न मिलता है तो लोगों द्वारा राजनीतिक अर्थ ढूंढ़ना स्वाभाविक है। क्या भाजपा इससे सामाजिक न्याय का मुद्दा हथियाना चाहती है या बिहार में अपनी जमीन को मजबूत कर चाहती हैं? उससे भी बड़ा सवाल, कि क्या वे इसमें कामयाब होगी?

भारत को मिले जगह

संयुक्त राष्ट्र का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की स्थितियों में हुआ था। यह आज तक 80 साल पहले के उसी शक्ति समीकरण की नुमाइंदगी कर रहा है। इस बीच हालात में जमीन–आसमान का अंतर आ चुका है। अगर सुरक्षा परिषद के वीटो पावर से लैस पांच स्थायी सदस्य राष्ट्रों पर ही नजर डाल ली जाए तो आज का ब्रिटेन उस समय के ब्रिटेन की छाया मात्र रह गया है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेज ने हाल ही में सुधार की बात कही। वहीं दुनिया के बड़े उद्योगपतियों में शामिल इलन मस्क ने सुरक्षा परिषद में भारत को शामिल होने का मुद्दा उठाया। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत को एक बार फिर रेखांकित करते हुए कहा कि संस्थानों में आज की दुनिया की हकीकत झलकनी चाहिए न कि 80 साल पहले की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर यह बात लिखी थी। इसमें उन्होंने साउथ अफ्रीका को स्थायी सदस्यता नहीं मिलने का जिक्र किया था। लेकिन टेस्ला कंपनी के संस्थापक इलॉन मस्क ने इसे नया संदर्भ देते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता नहीं मिली है, जो ठीक नहीं है।

पुरानी सोच : संयुक्त राष्ट्र का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की स्थितियों में हुआ था। यह आज तक 80 साल पहले के उसी शक्ति समीकरण की नुमाइंदगी कर रहा है। इस बीच हालात में जमीन–आसमान का अंतर आ चुका है। अगर सुरक्षा परिषद के वीटो पावर से लैस पांच स्थायी सदस्य राष्ट्रों पर ही नजर डाल ली जाए तो आज का ब्रिटेन उस समय के ब्रिटेन की छाया मात्र रह गया है। रूस को लीजिए तो इसे सुरक्षा परिषद में सोवियत संघ की जगह भले दे दी गई हो, शक्ति और प्रभाव में उसका सोवियत संघ से कोई मुकाबला नहीं। भौगोलिक पूर्वाग्रहः भारत के रूप में अगर दुनिया का सबसे बड़ी आबादी और पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश इससे बाहर है तो साउथ अफ्रीका को स्थायी सदस्यता न मिलना भौगोलिक पूर्वाग्रह दर्शाता है। इसी तरह साउथ अमेरिका भी इससे वंचित है और यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी भी।

फ्रिज, वॉशिंग मशीन पर मिल रहा है बंपर छूट, 55 तक का ऑफर

अप्रभावी मंचः इन असंगतियों का नतीजा यह हुआ है कि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय संस्था के तौर पर प्रभावी भूमिका निभाने में लगातार नाकाम साबित हो रहा है। सभी स्थायी सदस्य राष्ट्र अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल अपने संकीर्ण हितों के लिए करते हैं। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र यूक्रेन और गाजा युद्ध रुकवाने में कोई भूमिका नहीं निभा पाया है।

चीन का अड़ंगाः यह तय है कि जब भी सुरक्षा परिषद में सुधार का मसला अजेंडा पर आएगा, भारत की तगड़ी दावेदारी बनेगी। न केवल संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस बल्कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस भी भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करते रहे हैं। लेकिन यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य राष्ट्र चीन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को हर हाल में रोकना चाहेगा।

अपना घर जलाने के लिए बधाई

लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के फर्क को मिटाते हुए, पत्रकारिता और पक्षकारिता के अंतर को भूलते हुए, अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार और कलम की ताकत के कर्तव्य की बारीकियों को बिसराते हुए, सत्ता की रौशनी की खातिर कुछ लोगों ने स्वतंत्र पत्रकारिता को ही जला दिया । न्यूज चैनलों में ज्वलंत मुद्दों के नाम पर जो विमर्श कराए जाते हैं, वो अक्सर एकतरफा होते हैं। पहले इसमें थोड़ी बहुत पर्दादारी होती थी, शीर्षक वगैरह पर सोच–विचार किया जाता था। लेकिन जैसे–जैसे पूंजी और सत्ता का प्रभाव बढ़ने लगा, सोचने की परंपरा किनारे कर खुलकर नफरती और सांप्रदायिक विमर्शों को स्थान मिलने लगा। स्थिति इतनी खराब हो गई कि सर्वोच्च अदालत को भी इस रवैये पर टिप्पणियां करनी पड़ीं। लेकिन अखबारों की दशा भी कुछ अलग नहीं है।

अंधेरा मांगने आया था रौशनी की भीक,
हम अपना घर न जलाते तो और क्या करते।

लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के फर्क को मिटाते हुए, पत्रकारिता और पक्षकारिता के अंतर को भूलते हुए, अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार और कलम की ताकत के कर्तव्य की बारीकियों को बिसराते हुए, सत्ता की रौशनी की खातिर कुछ लोगों ने स्वतंत्र पत्रकारिता को ही जला दिया। अब उसकी राख में, बची हुई खाक में, अंधेरे में, खबरें अपना रास्ता तलाश रही हैं। उधर झूठी खबरें वैश्विक मानचित्र में भारत का परचम लहरा रही हैं। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की वैश्विक खतरों की रिपोर्ट में झूठी खबरों से प्रभावित देशों की सूची जारी की गई है। स्टैटिस्टा नाम की आंकड़े एकत्र करने वाली वेबसाइट के मुताबिक भारत में डिसइन्फॉर्मेशन और मिसइन्फॉर्मेशन दोनों के खतरे सबसे अधिक हैं। इस रिपोर्ट में डिसइन्फॉर्मेशन और मिसइन्फॉर्मेशन दोनों के बीच के अंतर को भी जाहिर किया गया है, क्योंकि अक्सर फेक न्यूज के नाम पर दोनों को एक साथ रख दिया जाता है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक डिसइन्फॉर्मेशन तब होती है जब गलत जानकारी लिखने और साझा करने के पीछे का इरादा जनता को गुमराह करना हो और मिसइन्फॉर्मेशन का मतलब है गैरइरादतन गलत या झूठी जानकारी को साझा करना, हालांकि इसका नुकसान भी उतना ही है, जितना जानबूझकर गलत सूचना फैलाने का है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में संक्रामक बीमारियों, आर्थिक गैरबराबरी, और अवैध व्यापार से भी ज्यादा खतरनाक झूठी खबरों का प्रसार है। इसमें 2019 के चुनावों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि उस वक्त राजनैतिक दलों द्वारा झूठी खबरों का जमकर प्रसार किया गया, खासकर और फेसबुक और व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के जरिए। विश्व आर्थिक मंच की इस रिपोर्ट में भारत झूठी खबरों के खतरे से ग्रसित देशों में सबसे पहले स्थान पर है, तो वहीं एल सल्वाडोर, पाकिस्तान, रोमानिया, सिएरा लियोन, आयरलैंड, सऊदी अरब, फ्रांस, सं रा. अमेरिका और फिनलैंड जैसे देश चौथे से छठवें स्थान पर हैं।

अब भारतीय चाहे तो इस बात की खुशी मना सकते हैं कि अमेरिका हमसे कहीं तो पीछे हुआ, या फिर इस मौके पर गंभीर चिंतन कर सकते हैं कि यह कौन सा अमृतकाल है, जहां झूठ का जहर समाज में बहा दिया गया है। सूचना क्रांति हमारे लिए उस अणुबम के समान साबित हुई है जिसके विनाश की जद में एक नहीं कई पीढ़ियां आ जाती हैं। लेकिन क्या इसके लिए केवल आधुनिक संचार माध्यमों को दोष दिया जा सकता है, जो पल–पल की सूचना पहुंचाने में सक्षम हैं। तकनीकी तो अपना काम कर रही है, लेकिन क्या हम अपने विवेक से उसका इस्तेमाल कर रहे है, यह भी सोचना होगा। बीते कुछ बरसों में हिंदुस्तान के मीडिया के लिए एक शब्द प्रचलन में आ गया है गोदी मीडिया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उपनाम से तुक बिठाता है।

गोदी मीडिया का तात्पर्य है, सरकार की चाटुकारिता में लगे पत्रकार। अक्सर इसमें इलेक्ट्रानिक मीडिया का ही हवाला दिया जाता है, क्योंकि न्यूज चैनलों में ज्वलंत मुद्दों के नाम पर जो विमर्श कराए जाते हैं, वो अक्सर एकतरफा होते हैं। पहले इसमें थोड़ी बहुत पर्दादारी होती थी, शीर्षक वगैरह पर सोच–विचार किया जाता था। लेकिन जैसे–जैसे पूंजी और सत्ता का प्रभाव बढ़ने लगा, सोचने की परंपरा किनारे कर खुलकर नफरती और सांप्रदायिक विमर्शों को स्थान मिलने लगा। स्थिति इतनी खराब हो गई कि सर्वोच्च अदालत को भी इस रवैये पर टिप्पणियां करनी पड़ीं। लेकिन अखबारों की दशा भी कुछ अलग नहीं है।

22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद कुछ अग्रणी हिंदी अखबारों ने जिस तरह के शीर्षक लगाए, उससे उनकी सांप्रदायिक और विभाजनकारी विचारधारा का पता चलता है। ऐसा लगा मानो पत्रकारिता के नाम पर हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने वाले ये अखबार उन चैनलों से होड़ कर रहे हैं, जो राम मंदिर उद्घाटन का अखंड कवरेज करने अपनी बसों में मंदिर वहीं बनाया है, लिख कर पहुंचे हुए थे। इनके कई पत्रकारों ने गले में भगवा गमछा डालकर रिपोर्टिंग की। ऐसे में शायद हिंदी अखबारों के पूंजीपति मालिकों के पास यही रास्ता बचा था कि वे शीर्षकों के जरिए हिंदुत्व के मुद्दे पर अपना समर्थन जाहिर करें। हमारे राम आ गए हैं, राष्ट्र की आस्था का नया सूर्योदय, रामचरित्र भास्कर ऐसी शीर्षकों को देखने के बाद एक तस्वीर याद आई, जिसमें दिखाया गया है कि मंदिर उद्घाटन वाले दिन अयोध्या में संविधान के पन्ने की पुड़िया में भेलपूरी बिक रही थी। अखबारों के पन्ने पर समोसे–भजिए तो कई जगह बिकते दिखे हैं, क्योंकि अखबार की जिंदगी सुबह 7 बजे तक की ही मानी जाती है।

लेकिन अब क्या संविधान का जीवन भी समाप्ति की ओर है। क्या संविधान की बातें अब रद्दी की टोकरियों में दिखेंगी और राम राज्य के नाम पर नये विधान लागू हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर एक कार्टून भी नजर आया, जिसमें पत्रकारिता की अर्थी निकल रही है और लिखा है– राम नाम सत्य है। तो क्या वाकई अमृतकाल मनाते देश में पत्रकारिता का शोकगान करने का वक्त आ गया है। अपने पेशे की अर्थी निकलते देख कर पत्रकार विलाप करेंगे या रुदालियों के भरोसे रहेंगे, यह भी सोचने की बात है।

अखबारों से जरूरी खबरों की गुमशुदगी का सिलसिला तो एक अरसे से चल रहा है। खबरों से अधिक विज्ञापनों को तरजीह देना भी व्यावसायिक मजबूरी में स्वीकार कर लिया गया। फिर वह दौर भी आया जब कार्पोरेट हितों की खातिर विज्ञापनों के मुताबिक खबरें लगने लगीं। कुछ दिनों पहले एक अखबार ने अपने पहले पन्ने की सारी तस्वीरों को ही विज्ञापन के फेर में उल्टा प्रकाशित किया था। इस खिलवाड़ के बावजूद यह उम्मीद कहीं न कहीं थी कि अखबारों में पत्रकारिता के लिए न्यूज चैनलों से ज्यादा प्रतिबद्धता नजर आएगी।

पिछले दो–तीन दिनों के अखबारों ने इस खुशफहमी को ध्वस्त कर दिया। खबर थी कि अमिताभ बच्चन ने करोड़ों की जमीन अयोध्या में खरीदी है, फिर मंदिर उद्घाटन के अगले ही दिन पूरे पन्ने के विज्ञापन में महानायक प्लॉट बेचते नजर आए। धर्म और कारोबार की जुगलबंदी पहले पन्ने पर दिखला दी गई। अखबारों के बारे में आमतौर पर यह धारणा बनी हुई थी कि वे निष्पक्ष खबरें और विचार प्रकाशित करेंगे। जनहित और देशहित में पत्रकारिता की राह बनाएंगे। ये धारणा भी गलत ही साबित हुई। नेहरूजी हर पंद्रह दिन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों को खत लिखकर अपनी चिंताओं और विचारों के बारे में बताते थे। 31 दिसंबर 1949 को लिखे ऐसे ही एक पत्र में उन्होंने लिखा था, संकीर्ण, सांप्रदायिक पूर्वाग्रह से ग्रसित लोग अक्सर राष्ट्रवाद और देशभक्ति की उच्च ध्वनि वाले वाक्यांशों के तहत खुद को छिपाते हैं। और यह कुछ लोगों को आकर्षित करता है। नेहरूजी की यह बात आज के स्वनामधन्य पत्रकारों और पूंजीपति अखबार मालिकों पर भी लागू होती है। उनकी देशभक्ति और राष्ट्रवाद का मुखौटा उतर गया है।

पाकिस्तान की शायरा फहमीदा रियाज़ ने लिखा है–
तुम बिल्कुल हम जैसे निकले
अब तक कहां छुपे थे भाई
वो मूरखता वो घामड़–पन
जिसमें हम ने सदी गंवा
आख़िर पहुंची द्वार तुहारे
अरे बधाई बहुत बधाई।

2024 का भारत 1947 के पाकिस्तान के रास्ते पर ही चलता हुआ दिखाई दे रहा है। फर्क यही है कि बीते 77 सालों में पाकिस्तान के कई पत्रकार लोकतंत्र के लिए आवाज उठाते रहे। हमारे देश में 77 साल बाद पत्रकार लोकतंत्र की आवाज को दबाने में लगे हैं। मूर्खता और घामड़पन की नयी सदी में देश को लाने के लिए, अपना घर जलाने के लिए बधाई, अरे बधाई।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 31 जनवरी तक

अलीगढ़। अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा छह व नौ में प्रवेश के लिए 31 जनवरी तक आवेदन किया जा सकता है। कक्षा छह व नौ में 140–140 सीटें हैं। पात्र अभ्यर्थियों से अलीगढ़, हाथरस, एटा एवं कासगंज जिलों से आवेदन–पत्र (ऑफलाइन) आमंत्रित किए जा रहे हैं। श्रमिकों के परिवार के अधिकतम दो बच्चे प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

अलीगढ़ में गभाना क्षेत्र के गांव टमकौली स्थित अटल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए कक्षा–06 (70 बालक व 70 बालिका), कक्षा–09 (70 बालक व 70 बालिका) में प्रवेश के लिए 31 जनवरी तक आवेदन मांगे गए हैं। उप श्रम आयुक्त सियाराम ने बताया कि मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में मंडलायुक्त एवं अध्यक्ष ने निर्देश दिए हैं कि पात्र अभ्यर्थियों से अलीगढ़, हाथरस, एटा एवं कासगंज जिलों से आवेदन–पत्र (ऑफलाइन) आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन पत्र किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक 31 जनवरी तक संबंधित जिलों के जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं श्रम विभाग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। श्रमिकों के परिवार के अधिकतम दो बच्चे प्रवेश के लिए पात्र होंगे। पंजीकृत श्रमिक का पंजीयन अलीगढ़ मंडल के जिलों में होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा 25 फरवरी को होगी।

जून से चिलुआताल में दिखेगा रामगढ़ताल जैसा नजारा, हर साल बढ़ रही है पर्यटकों की संख्या

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रलवद्र कुमार मिश्र ने कहा कि पर्यटन विकास के कार्यों में लगा हुआ है। इस साल जून तक चिलुआताल को पूरा कर लेने के तैयारी है। गौरव संग्रहालय के टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। इस बजट में इको पार्क के लिए धनराशि जारी होने की उम्मीद है।

गोरखपुर। गोरक्षनगरी पर्यटन का हब बन चुकी है। इसकी चमक देशभर में फैलती जा रही है। पहले जहां पर्यटन के नाम पर गोरखनाथ मंदिर, गीता प्रेस, तरकुलहा आदि स्थल ही थे। अब नया सवेरा समेत 50 से अधिक पर्यटन स्थल पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। हर साल यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। शहर में पांच सितारा होटल खुल रहे हैं। इस साल शहरवासियों को चिलुआताल लेक व्यू प्वाइंट और गौरव संग्रहालय के रूप में दो पर्यटन स्थलों की सौगात मिलने वाले हैं।

पर्यटन विभाग ने 50 से अधिक योजनाओं को मूर्त रूप देकर पर्यटकों को आकर्षित करने का काम किया है। आगे की योजनाओं में गौरव संग्रहालय, चिलुआताल लेक व्यू, कुसम्ही जंगल इको पार्क, रामगढ़ताल क्षेत्र में हैंगिंग रेस्टोरेंट, रामगढ़ताल में रोपवे संचालन, रामगढ़ताल में देश के सबसे ऊंचे फाउंटेन, शहर के इंट्री प्वाइंट नौसड़–कालेसर बंधे का और राजघाट पुल पर फसाड लाइट व सुंदरीकरण समेत दर्जनों योजनाओं पर काम चल रहा है।

जून तक बन कर तैयार हो जाएगा चिलुआताल लेकव्यू प्वाइंट

शहर के उत्तरी छोर पर स्थित चिलुआताल की सूरत बदल जाएगी। रामगढ़ताल की तरह चिलुआताल को भी खूबसूरत बनाने का काम तेजी से चल रहा है। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से यहां 560 मीटर लंबे घाट, गजेबिया, शौचालय, बेंच आदि के निर्माण का काम शुरू हो चुका है। ताल के सुंदरीकरण के बाद यह गोरखपुर के पर्यटन का नया ठिकाना बन जाएगा। ऐसे में अब तक यहां जो लोग आने से लोग कतराते हैं, आने वाले समय में यहां की खूबसूरती देखने पहुंचेगे और सुबह और शाम सैर करने के साथ चाय की चुस्कियां लें सकेंगे। इस कार्य के जून तक पूरा हो जाने का अनुमान है।

गौरव संग्रहालय के लिए चल रही टेंडर की प्रक्रिया

शहर के लोगों को बुद्ध–वैदिक काल से जुड़ी स्थानीय कला, संस्कृति, वास्तु कला और शिल्प

के माध्यम से गौरव का एहसास कराने के लिए सिविल लाइंस क्षेत्र में गौरव संग्रहालय का निर्माण होगा। शासन ने 20.16 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस संग्रहालय के लिए बजट जारी कर दिया है। इसके टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि पर्यटन विकास के कार्यों में लगा हुआ है। इस साल जून तक चिलुआताल को पूरा कर लेने के तैयारी है। गौरव संग्रहालय के टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। इस बजट में इको पार्क के लिए धनराशि जारी होने की उम्मीद है।

राप्ती रिवर फ्रंट का डीपीआर बनाएगा जीडीए, नियुक्त होंगे कंसल्टेंट

गोरखपुर। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने कहा कि राप्ती रिवर फ्रंट विकसित करने के लिए जीडीए द्वारा डीपीआर तैयार किया जाएगा। इसके लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। 30 जनवरी तक इच्छुक फर्में आवेदन कर सकती हैं। गोरखपुर में राप्ती रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। इसके लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने की जिम्मेदारी जीडीए को मिली है। जीडीए ने इसके लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। कंसल्टेंट नियुक्त करने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया जा चुका है। 30 जनवरी तक इच्छुक फर्में इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। उम्मीद है कि राजघाट से डोमिनगढ़ के बीच इसका विकास किया जा सकता है। इस योजना के तहत जगह–जगह घाट बनाए जाएंगे। पर्यटन की दृष्टि से पार्क आदि भी विकसित किया जाएगा। पर्यावरण को देखते हुए भी व्यवस्था की जाएगी। इसका निर्माण होने के बाद गोरखपुर में पर्यटन की दृष्टि से एक बेहतर गंतव्य लोगों को मिल सकेगा।

प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया कि आरएफपी जारी होने के बाद लगभग चार फर्मों की ओर से रुचि दिखाई गई है। 23 जनवरी को प्री बिड मीटिंग भी हो चुकी है। फर्मों की ओर से आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने की अपील की गई है। जीडीए की ओर से डीपीआर तैयार कर सिंचाई विभाग को सौंप दिया जाएगा। निर्माण कार्य सिंचाई विभाग की ओर से कराया जाएगा। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने कहा कि राप्ती रिवर फ्रंट विकसित करने के लिए जीडीए द्वारा डीपीआर तैयार किया जाएगा। इसके लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। 30 जनवरी तक इच्छुक फर्में आवेदन कर सकती हैं।

प्राण प्रतिष्ठा: प्रभु राम के मित्र गुह्यराज के वंशज भी बने यजमान

गोरखपुर। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी घोषित होने के बाद जहां पूरा देश खुशी मना रहा था, वहीं रवि निषाद की खुशी तब और बढ़ गई, जब 16 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ कमेटी की ओर से उनके मोबाइल पर कॉल आया। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देशभर से आए 15 यजमानों में भगवान राम के मित्र गुह्यराज के वंशज रवि कुमार निषाद भी शामिल थे। उन्होंने पत्नी के साथ आयोजन में प्रतिभाग किया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में उप कुलसचिव के पद पर तैनात रवि निषाद ने गर्भगृह में मौजूद रहकर पूजन–अर्चन को विधि–विधान से पूरा कराया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर आए रवि निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भव्य आयोजन में शामिल होना उनके जीवन का सबसे अहम पल था। रवि निषाद मूलतः अयोध्या में सरयू नदी के तट पर स्थित तारघाट के रहने वाले हैं। मान्यता है कि वह महराजा गुह्यराज के वंश से जुड़े हुए हैं। दो वर्ष पहले वह गोरखपुर विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के पद पर नियुक्त हुए। बाद में वह उप कुलसचिव बनाए गए। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी घोषित होने के बाद जहां पूरा देश खुशी मना रहा था, वहीं रवि निषाद की खुशी तब और बढ़ गई, जब 16 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ कमेटी की ओर से उनके मोबाइल पर कॉल आया।

विशेष लोक अदालत 29 से 31 जनवरी, विद्युत वादों का होगा निस्तारण

अलीगढ़। विशेष लोक अदालत 29 से 31 जनवरी तक को लगेगी। इसमें न्यायालयों में लंबित विद्युत अधिनियम 2023 के अंतर्गत विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) के न्यायालय में लंबित शमनीय, दांडिक विद्युत अधिनियम के मामलों का निस्तारण आपसी सुलह–समझौता के आधार पर किया जाएगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार के दिशा– निर्देशन में विशेष लोक अदालत का आयोजन 29, 30 एवं 31 जनवरी को किया जाएगा।

विशेष लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विद्युत अधिनियम 2023 के अंतर्गत विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) के न्यायालय में लंबित शमनीय, दांडिक विद्युत अधिनियम के मामलों का निस्तारण आपसी सुलह–समझौता के आधार पर किया जाएगा। अपर जिला जज कोर्ट संख्या 03/ नोडल अधिकारी लोक अदालत सुभाष चंद्रा अष्टम ने बताया कि जो भी पक्षकार, अभियुक्तगण अपने मामले का निस्तारण विशेष लोक अदालत के माध्यम से कराना चाहते हों, वह अपना प्रार्थना पत्र संबंधित न्यायालय या कार्यालय में नियत तिथि से पूर्व देकर विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं।

पौष पूर्णिमा के पावन पर्व की सभी सनातन धर्मावलंबियों व श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई!
तीर्थराज प्रयाग में संगम स्नान हेतु पधारे सभी पूज्य साधु-संतों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत-अभिनंदन!
मोक्षदायिनी माँ गंगा सभी का कल्याण करें।

-: फोटो-शेसल मीडिया

सृजन, संस्कार एवं शौर्य की धरा **उत्तर प्रदेश के 75वें स्थापना दिवस** पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर देश एवं दुनिया में राष्ट्र को गौरवभूषित करने हेतु विभिन्न विधाओं से जुड़ी विभूतियों को **"उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान"** से सम्मानित किया गया।

एक दिन में ही भक्तों ने रामलला को तीन करोड़ 17 लाख रुपये समर्पित किए

राम मंदिर के लिए बनीं दो और प्रतिमाएं सामने आईं: पहली श्यामल रंग की तो दूसरी सफेद संगमरमर की; मंदिर में ही की जाएंगी विराजित

संवाद सूत्र, अयोध्या। अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में स्थापित होने के बाद रामलला के दर्शन के लिए न केवल भक्तों का ज्वार उमड़ रहा है, बल्कि भक्तों का निधि समर्पण भी चरम पर है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र के अनुसार, एक दिन में ही भक्तों ने रामलला को तीन करोड़ 17 लाख रुपये समर्पित किए। इस राशि में दर्शनार्थियों के अतिरिक्त देश–विदेश के भक्तों की ओर से ट्रस्ट के खाते में ऑनलाइन समर्पण भी शामिल है। अनुमान है कि रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या पांच लाख तक जा पहुंची। श्रद्धालुओं के अपार ज्वार को देखते हुए ट्रस्ट की ओर से मंदिर परिसर में 10 दान काउंटर खोले गए थे और इन सभी पर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही।

दर्शन के समय को बढ़ाया गया

अयोध्या में अपने भव्य, नव्य और दिव्य मंदिर में विराजे बालकराम के दर्शन के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह है। श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या शासन–प्रशासन के लिए लगातार चुनौती बनी हुई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नियमों में बदलाव कर दर्शन अवधि को बढ़ा कर शाम सात से रात 10 बजे तक कर दिया है, जबकि आम दिनों (प्राण प्रतिष्ठा से पहले) में शाम सात बजे मंदिर बंद हो जाता था।

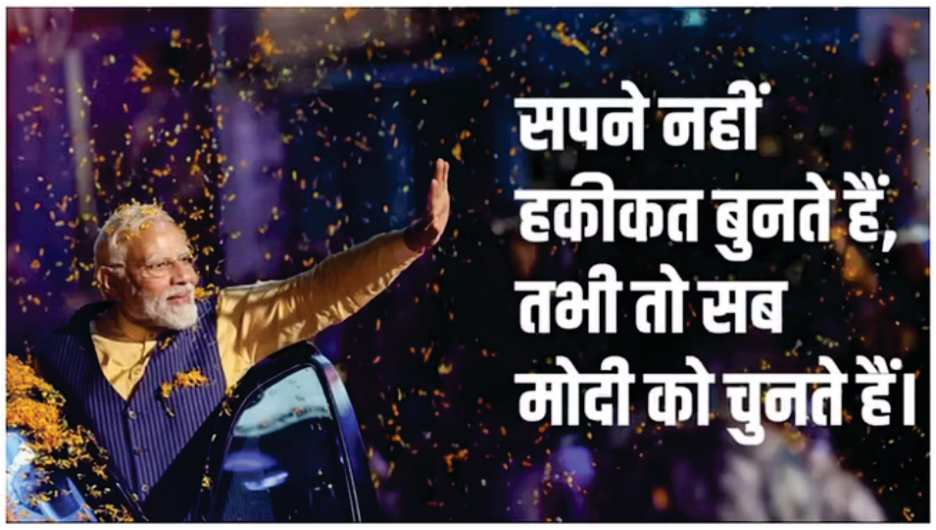

दिल्ली। भाजपा ने कहा कि यह थीम 'पीएम मोदी की गारंटी' जनअभियान के अनुरुप है। पीएम मोदी के नवमतदाता सम्मेलन के दौरान इससे जुड़ा वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें करोड़ों लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को दर्शाया गया है।

2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। गुरुवार को ही पार्टी ने चुनाव के लिए अपने अभियान के लिए थीम जारी की। इसकी शुरुआत में कहा गया– सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं। भाजपा ने इसकी लॉन्चिंग का एलान करते हुए कहा कि यह थीम उसे लोगों के बीच से ही मिली है और भाजपा ने जनता की इस भावना को अपनाया है। भाजपा ने कहा कि यह थीम 'पीएम मोदी की गारंटी' जनअभियान के अनुरुप है। पीएम मोदी के नवमतदाता सम्मेलन के दौरान इससे जुड़ा वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें करोड़ों लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को दर्शाया गया है।

ट्रक की टक्कर से 12 श्रद्धालुओं की मौत

संवाद न्यूज एजेंसी, शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। अल्हागंज थाना क्षेत्र में बरेली–फर्रुखाबाद हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।शाहजहांपुर के थाना मदनापुर क्षेत्र के गांव दमगड़ा से गंगा स्नान करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरे ऑटो को ट्रक ने टक्कर मार दी। भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। हादसा बृहस्पतिवार सुबह करीब 10:30 बजे अल्हागंज के गांव सुगसुगी के पास बरेली–फर्रुखाबाद हाईवे पर हुआ। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सर्वे रिपोर्ट से समाधान की राह पर 355 वर्ष पुराना विवाद

अदालत में 33 साल से चल रही मुकदमेबाजी

वाराणसी। ज्ञानवापी का 355 वर्ष पुराना विवाद एएसआई की सर्वे रिपोर्ट से समाधान की राह पर है। अदालत में 33 वर्षों से मुकदमेबाजी चल रही है। 1991 में लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ का केस दाखिल हुआ था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट से ज्ञानवापी का 355 वर्षों से चल रहा विवाद खत्म हो सकता है। यह विवाद 1669 से चल रहा है। 33 वर्षों से मामला अदालत के विचाराधीन है। यह रिपोर्ट बृहस्पतिवार को पक्षकारों को मिलने की संभावना है, फिर आगे की कानूनी लड़ाई तय होगी। हालांकि, सर्वे रिपोर्ट से समाधान की राह आसान हो जाएगी। सर्वे को आधार बनाकर पक्षकार दावा करेंगे और अदालत के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। साक्ष्यों के आधार पर ही अदालत अंतिम आदेश पारित करेगी।

एएसआई के सूत्रों के मुताबिक, ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक से जो साक्ष्य जुटाए गए हैं, वह वैज्ञानिक आधार पर महत्वपूर्ण साबित होंगे। एएसआई के विशेषज्ञों की टीम ने जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर और नवंबर 2023 तक ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का काम किया है।

सील वजूखाने को छोड़कर परिसर के कोने–कोने से साक्ष्य जुटाए गए हैं। मिट्टी की जांच की गई। दीवारों पर बने प्रतीक चिन्ह की फोटो, वीडियोग्राफी कराई गई। यह भी देखा गया कि प्रतीक चिन्ह किस सदी में बने हैं।

ज्ञानवापी के तहखानों से तमाम साक्ष्य मिले हैं, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को बयां कर रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट पहले ही कह चुका है कि ज्ञानवापी के मामले में पूजा स्थल अधिनियम नहीं लागू होता है, इसलिए साक्ष्यों के आधार पर आदेश देने में अदालत को कोई दिक्कत नहीं आएगी।

औरंगजेब ने ध्वस्त कराया था मंदिर

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी का दावा है कि मुगल शासक औरंगजेब ने 1669 में ज्ञानवापी मंदिर को ध्वस्त कराया था। मंदिर के ऊपरी हिस्से को मस्जिद का रूप दिया था। इसके लिए तीन गुंबद बनाए थे। मुख्य गुंबद के नीचे एक और शिवलिंग है। वहां धप–धप की आवाज आती है। सील वजूखाने में शिवलिंग मिला है। सर्वे रिपोर्ट से सच सामने आ जाएगा।

कानूनी लड़ाई लड़ेंगे, माहौल बिगड़ने का डर

अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन का दावा है कि ज्ञानवापी अकबर के कार्यकाल से पहले की बनी है। इसके साक्ष्य भी हैं। औरंगजेब का शासन बाद में आया था। वजूखाने में फौव्वारा लगा है। सर्वे रिपोर्ट की प्रति के लिए बृहस्पतिवार को प्रार्थना पत्र देंगे। हम चाहते थे कि सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए। दूसरा पक्ष इसका गलत इस्तेमाल करेगा। तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश करेगा। इससे माहौल खराब होगा। अब आदेश आ गया है तो नकल प्राप्त करके आगे की कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

एक नजर में

1991: लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ का मुकदमा दाखिल करके पहली बार पूजापाठ की अनुमति मांगी गई। इस पर जिला अदालत ने सुनवाई की और मामला विचाराधीन ही रहा।

1993: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पारित किया।

2018: सुप्रीम कोर्ट ने स्टे ऑर्डर की वैधता छह महीने बताई।

2019: वाराणसी की जिला अदालत ने मामले की सुनवाई फिर शुरू की।

2023: जिला जज की अदालत ने सील वजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर के सर्वे का आदेश दिया। सर्वे पूरा हुआ और रिपोर्ट अदालत में दाखिल की गई। इसी बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1991 के लॉर्ड विश्वेश्वर मामले में स्टे ऑर्डर हटाया। एएसआई से सर्वे कराने और रिपोर्ट निचली अदालत में दाखिल करने का आदेश दिया।

2024: जिला जज की अदालत ने एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पक्षकारों को उपलब्ध कराने का आदेश पारित किया।

डी ने समन जारी कर माफिया अनुपम दुबे को किया तलब

अब तक 113 करोड़ की संपत्ति हो चुकी है कुर्क

फर्रूखाबाद,संवाददाता। अनुपम के वकील बिजेंद्र मोहन अग्निहोत्री उर्फ टिल्लू ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय अलीगढ़ की ओर से बसपा नेता को समन जारी किया गया। समन बुधवार को मिला और आज के दिन की तिथि पूछताछ के लिए उसमें अंकित थी। फर्रुखाबाद जिले में आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को माफिया अनुपम दुबे को समन जारी कर तलब किया है। पुलिस गैंगस्टर के मुकदमे में माफिया की 113 करोड़ की संपत्ति अभी तक कुर्क कर चुकी है।

फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कसरट्टा निवासी माफिया बसपा नेता अनुपम दुबे जीआरपी इंस्पेक्टर राम निवास यादव हत्याकांड में मथुरा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। उनका मोहम्मदाबाद ब्लॉक प्रमुख भाई अमित दुबे उर्फ बब्बन हरदोई जेल में बंद है।

प्रधानाध्यापक भाई अनुराग दुबे उर्फ डब्बन फरार है। आईजी रेंज ने अनुराग पर 50 हजार का इनाम घोषित कर रखा है। पुलिस ने गैंगस्टर के मुकदमे में माफिया व उनके परिजनों की 113 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली है। माफिया का आलीशान होटल ध्वस्त कर दिया गया।।

माफिया के खिलाफ कोर्ट में दाखिल की गई थी चार्जशीट

हाल में ही गैंगस्टर के मुकदमे में माफिया के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई थी। 113 करोड़ की संपत्ति के जब्तीकरण की जानकारी होने पर ईडी के अधिकारियों ने फर्रुखाबाद आकर माफिया की संपत्ति की जानकारी कर साक्ष्य एकत्र किए थे।

अनुपम दुबे को पूछताछ के लिए समन दिया गया

बुधवार को ईडी की ओर से माफिया अनुपम दुबे को पूछताछ के लिए समन दिया गया। बसपा नेता अनुपम के वकील बिजेंद्र मोहन अग्निहोत्री उर्फ टिल्लू ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय अलीगढ़ की ओर से बसपा नेता को समन जारी किया गया। समन बुधवार को मिला और आज के दिन की तिथि पूछताछ के लिए उसमें अंकित थी

जमलदोज किया जा चुका है गुरुशरणम् होटल

माफिया का शानदार गुरुशरणम् होटल जमींदोज किया जा चुका है। फरार भाई को पुलिस की टीमें तलाश कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ की टीम ने माफिया अनुपम दुबे की संपत्ति की जांच शुरू कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय से आए एक अधिकारी ने एआरटीओ कार्यालय पहुंचकर माफिया व उनके परिजनों के नाम पंजीकृत लग्जरी कारों का ब्योरा लिया है।

अनुपम दुबे व उनके परिजनों की कारों की सूची ले गई थी टीम

माफिया बसपा नेता डॉ. अनुपम दुबे की संपत्तियों की जांच करने के लिए लखनऊ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम जिले में पहुंची थी। टीम के एक सदस्य ने एआरटीओ कार्यालय से माफिया व उनके परिजनों की नौ लग्जरी कारों का ब्योरा एकत्र किया था। विभाग की ओर से नौ लग्जरी कारों की सूची ईडी के अधिकारी को सौंपी गई थी।

आजीवन कारावास की सजा में मथुरा जेल में बंद

माफिया व उनके परिजनों की गैंगस्टर अधिनियम के तहत अभी तक 113 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कसरट्टा निवासी माफिया बसपा नेता डॉ. अनुपम दुबे इंस्पेक्टर रामनिवास यादव हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा में मथुरा जेल में बंद है।

कोटा में सुसाइड: 'पापा इस बार नीट क्लीयर हो जाएगा, टेस्ट अच्छे हुए

मुरादाबाद। मुरादाबाद के भगतपुर इलाके के बिलावाला गांव के रहने वाले छात्र मोहम्मद जैद ने राजस्थान के कोटा में खुदकुशी कर ली। वह कोटा में नीट की तैयारी कर रहा था। जैद के पिता उस्मान मलिक खेती करते हैं। जैद दो साल से कोटा में था। पापा इस बार परिवार के सपने पूरे करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। कोचिंग में मेरे टेस्ट भी बहुत अच्छे हुए हैं। तैयारी भी अच्छी चल रही है। मई में नीट की परीक्षा होगी। अभी चार महीने तैयारी करने का मौका है। पापा इस बार नीट क्लीयर हो जाएगा। परीक्षा होने तक घर भी कम ही आऊंगा।

ये बातें कोटा में आत्महत्या करने वाले छात्र मोहम्मद जैद ने दो दिन पहले अपने पिता से कही थीं। भगतपुर के बिलावाला निवासी उस्मान मलिक ने बताया कि वह किसान हैं। ठंड, बारिश और भीषण गर्मी में खेतों जाकर काम करना पड़ता है।

ये सब बेटों को न करना पड़े, इसलिए उन्हें पढ़ाई की पूरी छूट दी। जिस बेटे ने जहां तैयारी करने के लिए जाने की बात कही। उसे वहां भेजा। बड़ा बेटा राजा ठाकुरद्वारा में यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने जाता है। वह सुबह ही घर से निकल जाता और देर शाम तक लौटता है।

छोटे बेटे मोहम्मद जैद ने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर डॉक्टर बनने का सपना संजोया था। परिवार, रिश्तेदारों को भी पूरा विश्वास था कि जैद एक दिन डॉक्टर बनेगा। उसने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की थी। दो साल पहले वह कोटा चला गया था। पहले प्रयास में वह नीट में सफल नहीं हो पाया था। लेकिन हमने उसे घर नहीं बुलाया।

उससे कहा कि वह दोबारा प्रयास करे। बेटा पूरी मेहनत और लगन के साथ तैयारी में जुटा था। सोमवार को उसने फोन किया था। पिता उस्मान मलिक के मुताबिक बेटे ने कहा था कि पापा बहुत अच्छी तैयारी चल रही है। कोचिंग टेस्ट भी अच्छे जा रहे हैं। अभी में घर नहीं आऊंगा। मई में होने वाली परीक्षा की तैयारी पूरी करनी है। इस बार परिवार और अपना सपना पूरा करना है। मैंने ने भी बेटे का हौसला बढ़ाया और कहा था कि बेटा घर की कोई चिंता मत करना। पूरी मेहनत से तैयारी करना। मोहम्मद जैद ने अपनी मां और भाई से भी फोन पर बात की थी।

रात में ज्यादा पढ़ाई करता था जैद

हॉस्टल में रहने वाले सहपाठी अनूप चौरसिया ने पुलिस को बताया कि मोहम्मद जैद अक्सर रात में पढ़ाई करता था। सुबह–शाम खाने के समय ही उससे बात होती थी। लेकिन मंगलवार सुबह खाने के वक्त मोहम्मद जैद नजर नहीं आया।शाम को जब जैद को फोन किया तो बात नहीं हुई तब कमरे पर जाकर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला और न ही कोई हरकत हुई। काफी प्रयास करने के बाद जब खिड़की से अंदर देखा तो मोहम्मद जैद लटका हुआ था।

डेंगू की चपेट में आ गया था जैद

सहपाठी अनूप चौरसिया ने बताया कि मोहम्मद जैद को पिछले दिनों डेंगू हो गया था। जिस कारण उसने कोचिंग जाना बंद कर दिया था और ऑनलाइन क्लास ले रहा था। उसने नोट की फोटो कॉपी करा ली थी। जिसकी तैयारी वह कर रहा था।

दो माह पहले घर आया था जैद

पिता उस्मान मलिक ने बताया कि जैद दो महीने पहले घर आया था। तब कुछ दिन ही यहां रुका था। उसने पिता से बोला कि पापा यहां रुकने से तैयारी नहीं हो पा रही है। क्लास भी छूट रही हैं। इसके बाद वह कोटा चला गया। पढ़ाई करने के बाद वह रोज घर पर बात करता था। मंगलवार को उसका फोन नहीं आया। हम लोगों ने भी सोचा कि कोचिंग क्लास में होगा।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहे मुरादाबाद के छात्र ने की आत्महत्या

मुरादाबाद के भगतपुर क्षेत्र के बिलावाला गांव निवासी छात्र मोहम्मद जैद (19) ने कोटा में आत्महत्या कर ली। वह नीट की तैयारी के लिए गया था। जैद के पिता उस्मान मलिक किसान हैं। उन्होंने बताया कि बेटा दो साल से कोटा में था। कोटा के डीएसपी भवानी सिंह के मुताबिक घटना मंगलवार रात की है। जैद जवाहर नगर थाना क्षेत्र के न्यू राजीव गांधी नगर इलाके के कंचन हॉस्टल में रहता था। मंगलवार सुबह से देर शाम तक उसने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। इससे आसपास के छात्रों को आशंका हुई। छात्रों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो जैद का शव फंदे से लटका था। हॉस्टल संचालक को सूचना देने के साथ जैद को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मंगलवार रात जानकारी मिलते ही जैद के पिता कोटा पहुंच गए। उन्होंने कहा कि बेटे को किसी तरह की परेशानी नहीं थी। समझ में नहीं आ रहा है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठा लिया। उन्होंने बताया कि बड़ा बेटा राजा भी यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। वह गांव में ही रहता है।

दिसंबर तक कोटा में 28 विद्यार्थियों ने दी जान

पुलिस ने बताया कि इस साल कोटा में छात्र की आत्महत्या करने का यह पहला मामला है। पिछले साल 28 कोचिंग छात्र–छात्राओं ने आत्महत्या कर ली थी।

लखीमपुर खीरी । पीयूष पांडेय का चयन डीएसपी पद पर हुआ है। पीयूष ने तीसरे प्रयास में सफलता प्राप्त की है। डिप्टी एसपी कैडर में उनकी 19वीं रैंक आई है। पीयूष के पिता होमगार्ड हैं। लखीमपुर खीरी के ईसानगर थाने में तैनात होमगार्ड शिवकुमार पांडेय के बेटे पीयूष पांडेय ने यूपीपीएससी पीसीएस परीक्षा में कमाल कर दिखाया। पीयूष पांडेय ने तीसरे प्रयास में पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर सफलता हासिल की है। उनकी 19वीं रैंक आई है। उन्होंने बताया कि उनका डिप्टी एसपी पद पर चयन हुआ है।

ईसानगर ब्लॉक के शेखपुर (मोचनापुर) गांव निवासी 25 साल के पीयूष पांडेय तीन साल से दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहकर परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। इससे पहले वह दो बार इंटरव्यू तक पहुंचे थे। तीसरी बार में सफलता मिल गई। पीयूष ने बताया कि उन्होंने खमरिया के श्रीमती चंद्र प्रभा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज से उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इंटरमीडिएट की परीक्षा 88.2 फीसदी अंकों के साथ पास की थी। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 2017 में बीएससी और फिर 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस से एमए किया।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी NCC कैडेट्स के एक कार्यक्रम में शामिल हुए।

सीएम योगी ने गणतंत्र दिवस को लेकर दिए निर्देश– बोले, विद्वेष फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस को लेकर निर्देश दिए हैं। इसके बाद प्रदेश के डीजीपी ने भी निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर अराजक तत्व माहौल खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। इस दौरान किसी गीत–संगीत और नारेबाजी से किसी की धार्मिक भावनाओं का अपमान नहीं होना चाहिए।

यदि कोई विद्वेष फैलाने का प्रयास करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी विजय कुमार ने गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त करने के निर्देश मातहतों को दिए। उन्होंने संवेदनशील एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा निर्धारित एसओपी के मुताबिक सुनिश्चित करने को कहा।

साथ ही सभी कमिश्नरेट व जिलों में नियमित रूप से प्रातकालीन पोस्टर पार्टी का गठन कर चेकिंग कराने के निर्देश दिए, ताकि असामाजिक तत्व सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास न कर सकें। डीजीपी ने गणतंत्र दिवस के आयोजनों की अचूक सुरक्षा व्यवस्था के लिए समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं पुलिस बल को उच्च सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राओं की समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

डीजी प्रशांत कुमार और आईजी मंजिल सैनी को गैलेंट्री अवार्ड

74 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक

लखनऊ। यूपी डीजी प्रशांत कुमार व आईजी मंजिल सैनी गैलेंट्री अवाई और सात पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पदक से सम्मानित किया जाएगा। यूपी के डीजी प्रशांत कुमार और आईजी मंजिल सैनी को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गणतंत्र दिवस के अवसर पर गैलेंट्री अवाई (प्रेसीडेंट मेडल फार गैलेंट्री) से सम्मानित किया जाएगा।

इसी तरह प्रदेश के सात पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट सेवा और 74 को सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति का पदक देकर सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर हर साल अलग–अलग राज्यों के पुलिसकर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाता है।

प्रोफेसर के घर से 31 लाख रुपये का माल पार मछली को खाना देने आई नौकरानी तो हुआ खुलासा

लखनऊ। पुलिस थाने से महज 50 मीटर दूरी पर बदमाशों ने प्रोफेसर के घर पर 31 लाख रुपये की चोरी को अंजाम दिया। नौकरानी मछली को खाना देने पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाने से महज 50 मीटर की दूरी पर रहने वाले एक प्रोफेसर के बंद मकान पर का ताला तोड़कर चोर नकदी व जेवरात सहित 31.42 लाख का माल समेट ले गए। मामले में मंगलवार को चोरी का केस दर्ज किया गया है। प्रोफेसर प्रकाश राय सरोजनीनगर स्थित एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में तैनात हैं। वह आशियाना थाने के पास रहते हैं। उनके मुताबिक उनका बेटा वरुण मुंबई में नेवी में कैप्टन के पद पर तैनात है। गत 14 जनवरी को प्रकाश पत्नी के साथ बेटे के पास मुंबई गए थे। घर की एक चाबी नौकरानी अनीता व दूसरी चालक सर्वेश कुमार के पास थी।

नौकरानी अनीता मछली को दाना देने उनके घर पहुंची तो घर का ताला टूटा था और सामान बिखरा था। उसने मालिक को फोन कर सूचना दी। इस पर प्रकाश मुंबई से घर लौटे।

उनके अनुसार चोर उनके घर से 30 लाख के जेवरात, एक लाख रुपये नकद और अन्य सामान चोरी कर ले गए। उन्होंने चोरी गए सारे सामान की कीमत 31.42 लाख रुपये बताई है। चोरी की सूचना पर पहुंची आशियाना पुलिस ने छानबीन के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एडीसीपी पूर्वी अली अब्बास ने बताया कि मकान में सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था। आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

' जब हुआ न कोई अपना...'

लालू की बेटी रोहिणी की पोस्ट ने बिहार में बढ़ाई सियासी हलचल

दिल्ली। कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के परिवारवाद पर बयान के एक दिन बाद आज लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स हैंडल पर ताबड़तोड़ पोस्ट किए हैं। इस पोस्ट के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। सियासी गलियारों में तरह–तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। रोहिणी ने जिस तरह की पोस्ट डाली है वह साफ–साफ राजनीतिक नजर आ रही है। कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के परिवारवाद पर बयान के एक दिन बाद आज लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स हैंडल पर ताबड़तोड़ पोस्ट किए हैं। इस पोस्ट के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। सियासी गलियारों में तरह–तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। रोहिणी ने जिस तरह की पोस्ट डाली है वह साफ–साफ राजनीतिक नजर आ रही है। हालांकि, दो घंटे बाद रोहिणी ने पोस्ट डिलीट कर दी है।

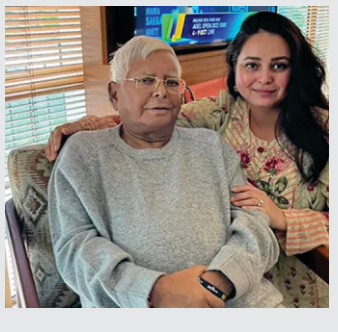

विक्की जैन ने आयशा–सना और ईशा के साथ मनाया आजादी का जश्न, फैंस बोले– 'इनकी बस लड़कियां दोस्त बनती है'

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने बिग बॉस 17 में खूब फेम कमाया। शो में बतौर कंटेस्टेंट उन्होंने बेहतरीन गेम खेला, जबकि वो बिजनेस बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते हैं। पॉपुलैरिटी के बावजूद विक्की जैन फिनाले में अपनी जगह नहीं बना पाए और कुछ दिनों पहले शो से एविक्ट हो गए। बिग बॉस 17 से बाहर होने के बाद विक्की जैन अब अपनी आजादी का जश्न मना रहे हैं। उनकी इस खुशी में शो की कुछ फीमेल एक्स कंटेस्टेंट्स भी शामिल हुई।

हसीनाओं से घिरे विक्की भइया

बिग बॉस 17 से बाहर आने के बाद विक्की जैन ने अपने घर पर एक ग्रैंड पार्टी रखी। जहां उन्होंने बिग बॉस 17 की एक्स कंटेस्टेंट सना खान, आयशा खान और ईशा मालवीय को भी इनवाइट किया। पार्टी में विक्की जैन हसीनाओं से घिरे हुए नजर आए। सोशल मीडिया पर इस पार्टी से जैसे ही विक्की जैन की तस्वीरें सामने आई, सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, क्योंकि अब वो भी एक सेलिब्रिटी बन चुके हैं।

बस लड़कियां ही बनी दोस्त

विक्की जैन की तस्वीरों पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट भी किए। एक यूजर ने कहा, "विक्की भाई की बस लड़कियां ही दोस्त बनी, लड़के एक भी नहीं।" एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए कहा, "अंकिता दम निकाल देगी विक्की का।" विक्की के एलिमिनेशन को लेकर बात करते हुए एक यूजर ने कहा, "पार्टी करने लगा इतनी जल्दी, बीवी रो रही तभी, पार्टी मत करना।"

विक्की को लेकर इनसिक्योर रहल अंकिता

बिग बॉस 17 के घर में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन अक्सर लड़ते हुए नजर आए। कई बार झगड़ा सिर्फ इसलिए भी हुआ, क्योंकि वो दूसरी लड़कियां के साथ मस्ती मजाक करते हुए नजर आए और ये बात उनकी पत्नी को नागवार गुजरी। शो में अंकिता खासकर मनारा चोपड़ा को लेकर पति से लड़ते हुए नजर आई। एक बार तो आयशा खान के कारण भी अनबन हो गई थी।

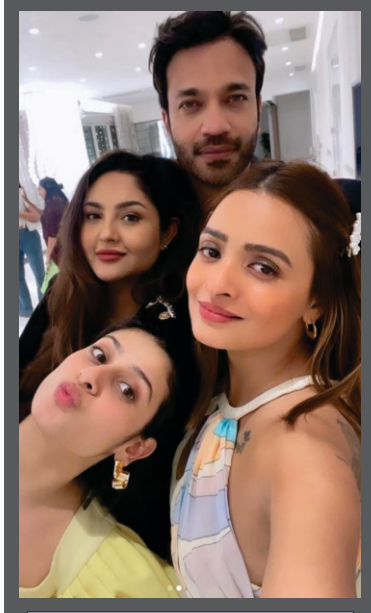

17 बिग बास 17 से बाहर होने के बाद विक्की जैन अब अपनी आजादी का जश्न मना रहे हैं। उनकी इस खुशी में शो की कुछ फीमेल एक्स कंटेस्टेंट्स भी शामिल हुई। उन्होंने बिग बश्स 17 की एक्स कंटेस्टेंट सना खान आयशा खान और ईशा मालवीय को भी इनवाइट किया। पार्टी में विक्की जैन हसीनाओं से घिरे हुए नजर आए।

'भाभी जी घर पर हैं' की गोरी मेम का बड़ा खुलासा

बोली 'मेरा सबसे फ्लाप शो शाहरुख खान के साथ है

,एंटरटेनमेंट डेस्क। सौम्या टंडन 'भाभी जी घर पर है' में 'अनीता' का किरदार निभाकर मशहूर हुईं, लेकिन इस सीरियल से पहले उन्होंने कई और प्रोजेक्ट्स में भी काम किया था। सौम्या को उन प्रोजेक्ट्स में वैसी सफलता नहीं मिली जो उन्हें 'भाभी जी घर पर हैं' से मिली। साल 2023 अगर किसी एक सितारे के नाम रहा है तो वे हैं बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान। शाहरुख खान की एक नहीं बल्कि तीन–तीन फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं। 'पठान, 'जवान' और 'डंकी' साल 2023 की सबसे बड़ी हिट्स में से एक हैं, लेकिन शाहरुख खान के लिए ये सफर हमेशा आसान नहीं रहा है। उन्होंने भी अपनी जिंदगी में कई उतार चढ़ाव देखे हैं। उन्हीं उतार चढ़ाव के दिनों में शाहरुख ने कई टीवी शो भी किए थे। एक टेलीविजन रियलिटी शो में उन्होंने टीवी की सुपरस्टार सौम्या टंडन के साथ भी काम किया था। पिछले दिनों सौम्या टंडन ने मीडिया से बात करते हुए किंग खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।

करियर का सबसे बड़ा फ्लाप शाहरुख के साथ

सौम्या टंडन 'भाभी जी घर पर है' में 'अनीता' का किरदार निभाकर मशहूर हुईं, लेकिन इस सीरियल से पहले उन्होंने कई और प्रोजेक्ट्स में भी काम किया था। सौम्या को उन प्रोजेक्ट्स में वैसी सफलता नहीं मिली जो उन्हें 'भाभी जी घर पर हैं' से मिली। सौम्या मीडिया से बातें करती हुई कहती हैं, 'मुझे एक शो ऑफर हुआ था, जिसमें मैं शाहरुख खान के साथ काम करने वाली थी। मुझे लगा था कि अब मेरा टाइम आने वाला है। शाहरुख खान के साथ काम करना हर किसी का सपना होता है, लेकिन मेरा वो शो चला नहीं। 'जोर का झटका: टोटल वाइप आउट' रियलिटी शो मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी फ्लॉप है, और वही शो मैंने शाहरुख खान के साथ होस्ट किया था।

शाहरुख हैं जेंटलमैन

सौम्या टंडन शाहरुख खान के साथ अपने काम के अनुभव को साझा करते हुए बताती हैं, 'जब मैं उनके साथ काम कर रही थी, तब उन्होंने मुझे हमेशा ही स्पेशल फील करवाया। वे इतने बड़े स्टार हैं लेकिन उन्होंने कभी इस चीज को जताया नहीं। वे हमेशा मुझसे पूछते थे कि और रिहर्शल तो नहीं करना है, जैसे कोई दूसरा को–स्टार आपसे पूछेगा बिलकुल वैसे ही। शाहरुख जब आपके साथ होते हैं तो वे केवल आपके साथ ही होते हैं और आपको वे सबसे ज्यादा खास महसूस करवाते हैं। वे सच में जेंटल मैन हैं।'

सौम्या टंडन का वर्कफ्रंट

पिछली बार सौम्या टंडन 'भाभी जी घर पर हैं' में 'अनीता' के किरदार में दिखीं थीं। उस सीरियल से पहले उन्होंने 'जब वी मेट' में करीना कपूर की बहन का किरदार निभाया था। इन दिनों सौम्या टीवी की दुनिया से ब्रेक लेकर अपना मी–टाइम एन्जॉय कर रही हैं और इवेंट्स होस्ट कर रही हैं। अपने एक इंटरव्यू में सौम्या ने कहा था कि भविष्य में वे किसी वेब सीरीज का हिस्सा बनना चाहेंगी।

कृति की केमिस्ट्री ने किया मंत्रमुग्ध

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का 'अखियां गुलाब' गाना रिलीज, शाहिद–

एंटरटेनमेंट डेस्क। मेकर्स ने इस फिल्म का दूसरा गाना 'अखियां गुलाब' रिलीज कर दिया है।शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना रिलीज किया था। दर्शकों को इस फिल्म का ट्रेलर, पोस्टर और गाना बेहद पसंद आया था। वहीं शाहिद कपूर और कृति सेनन की सिज़लिंग केमेस्ट्री देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म घोषणा के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। ऐसे में आज बुधवार को मेकर्स ने इस फिल्म का दूसरा गाना 'अखियां गुलाब' रिलीज कर दिया है।

हेमा मालिनी संग अगर ये फिल्म बन जाती तो 'वीरू' नही

यह होता धर्मेंद्र का सबसे यादगार किरदार

धर्मेंद्र को आज भी इस बात की टीस है कि देवदास नहीं बन सके
धर्मेंद्र की देवदास का निर्देशन गुलजार कर रहे थे
हेमा मालिनी और शर्मिला टैगोर फिल्म में चंद्रमुखी और पारो के रोल में थी

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। धर्मेंद्र ने अपने साठ साल से ज्यादा लम्बे करियर में सैकड़ों फिल्मों में काम किया है और अलग–अलग तरह के किरदार निभाये हैं। कभी पुलिस इंस्पेक्टर बने तो कभी लोफर। आशिक बनकर पानी की टंकी पर भी चढ़े। महबूबा के गम में नशेड़ी भी बने। मगर, एक किरदार ऐसा है, जिसे निभा ना पाने का मलाल धर्मेंद्र आज भी करते हैं। ये किरदार है देवदास। शायद किस्मत को ही ये मंजूर ना था कि धर्मेंद्र पर्दे पर देवदास बनकर उतरें। इसीलिए, शूटिंग शुरू होने के बाद भी फिल्म पूरी नहीं हो सकी।

धर्मेंद्र को देवदास बनाने वाले थे गुलजार

बसंती की मोहब्बत के नशे में चूर पानी की टंकी पर चढ़े वीरू को इश्क में बिखरते देवदास के रूप में देखना उनके फैंस के लिए भी दिलचस्प अनुभव होता। देवदास फिल्ममेकर्स का पसंदीदा विषय रहा है और सिनेमा की शुरुआत से ही शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के इस नॉवल पर बंगाली, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में फिल्में बनती रही हैं, मगर सबसे ज्यादा चर्चा जिस फिल्म की रही वो दिलीप कुमार की देवदास है।

एक देवदास बनाने की कोशिश दिग्गज लेखक और निर्देशक गुलजार ने भी की थी। अस्सी के दौर में गुलजार ने देवदास शुरू की थी। फिल्म में हेमा मालिनी और शर्मिला टैगोर चंद्रमुखी और पारो के किरदारों में थीं।

धर्मेंद्र के करियर का सबसे यादगार किरदार वीरू है जो शोले में उन्होंने निभाया था। इस किरदार में पानी की टंकी पर चढ़ना सिनेमा के सबसे यादगार दृश्यों में गिना जाता है मगर एक और किरदार है जो धर्मेंद्र निभाने से चूक गये। अगर ऐसा होता तो ये उनके फिल्मी करियर का ऐतिहासिक रोल बन सकता था।

सूर्या फिर चमके

- सूर्यकुमार को आईसीसी ने 2023 के लिए टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर चुना
- सूर्यकुमार लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी
- सूर्या ने भारत के लिए 2023 में टी20 की 17 पारियों में 733 रन बनाए थे

सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास

लगातार दूसरी बार जीता आईसीसी टी20 प्लेयर आफ द ईयर का अवार्ड

स्पोर्ट्स डेस्क। सूर्यकुमार ने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, उगांडा के अल्पेश रमजानी और न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन को हराकर अवॉर्ड जीता है। सूर्या ने पिछले साल 17 पारियों में 733 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 48.86 और स्ट्राइक रेट 155.95 का रहा था। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आईसीसी ने साल 2023 के लिए टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर चुना है।

सूर्यकुमार को लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार मिला है। सूर्यकुमार को इससे पहले टी20 टीम ऑफ द ईयर में भी रखा गया था और उन्हें कप्तान बनाया गया था। सूर्या लगातार दो बार टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर बनने वाले पहले खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 2022 के लिए भी उन्हें यह अवॉर्ड मिला था।

सूर्यकुमार ने 2023 में करीब 50 के औसत और 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ अंतरराष्ट्रीय टी20 अपना दबदबा बनाए रखा। पिछले साल उन्होंने भारत को कई मैचों में जीत दिलाई थी। सूर्यकुमार ने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, उगांडा के अल्पेश रमजानी और न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन को हराकर अवॉर्ड जीता है। सूर्या ने पिछले साल 17 पारियों में 733 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 48.86 और स्ट्राइक रेट 155.95 का रहा था।

महिलाओं में हीली मैथ्यूज ने मारी बाजी

महिलाओं में यह पुरस्कार वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज ने जीता है। मैथ्यूज टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली वेस्टइंडीज की दूसरी खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले 2015 में स्टेफनी टेलर को यह पुरस्कार मिला था। इन दोनों के अलावा हर बार इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ियों ने इस पुरस्कार पर कब्जा जमाया है।

बास डी लीडे ने रचा इतिहास

नीदरलैंड के तेज गेंदबाज बास डी लीडे आईसीसी एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए चुने गए हैं। वह इस पुरस्कार को जीतने वाले अपने देश के दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले रायन टेन डुस्काटे ने तीन बार इसे अपने नाम किया था। उन्होंने 2008, 2010 और 2011 में यह अवॉर्ड जीता था।

क्वीनेटर एबेल ने बनाया रिकार्ड

केन्या की क्वीनेटर एबेल को महिला वर्ग में आईसीसी एसोसिएट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया है। वह आईसीसी पुरस्कार जीतने वाली केन्या की पहली महिला बनीं। केन्या के पुरुष खिलाड़ी थॉमस ओडोयो ने वर्ष 2007 का आईसीसी एसोसिएट प्लेयर का पुरस्कार जीता था। क्वीनेटर एबेल अंतरराष्ट्रीय टी20 में 1000 से ज्यादा रन बनाने के साथ–साथ 50 से ज्यादा विकेट लेने वाली इकलौती एसोसिएट खिलाड़ी (पुरुष/महिला) हैं।

बैजबाल में दिलचस्पी नहीं

हैदराबाद टेस्ट से पहले बोले रोहित
बशीर के वीजा विवाद पर कही यह बात

स्पोर्ट्स डेस्क। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के 'बैजबॉल' दृष्टिकोण को महत्व देने से इनकार कर दिया। रोहित ने कहा कि उनका ध्यान विपक्षी टीम के आंकड़ों पर ध्यान देने के बजाय इस बात पर केंद्रित है कि उनकी टीम कैसे खेलती है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज गुरुवार (24 जनवरी) को शुरू होगी। सीरीज के शुरुआती मुकाबले से पहले 'बैजबॉल' की चर्चा काफी हो रही है। ब्रैंडन मैकुलम के कोच बनने के बाद इंग्लैंड की टीम के खेलने को तरीके को बदला। इंग्लिश टीम अब टेस्ट में तेजी से रन बनाती है। किसी भी परिस्थिति में आक्रामक बल्लेबाजी के इस तरीके को 'बैजबॉल' नाम दिया गया है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे लेकर बड़ी बात कही। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के 'बैजबॉल' दृष्टिकोण को महत्व देने से इनकार कर दिया। रोहित ने कहा कि उनका ध्यान विपक्षी टीम के आंकड़ों पर ध्यान देने के बजाय इस बात पर केंद्रित है कि उनकी टीम कैसे खेलती है। हिटमैन ने कहा, ''हम अपना क्रिकेट खेलना चाहेंगे। मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है कि विपक्षी टीम कैसा खेलेगी। एक टीम के रूप में हम क्या करना चाहते हैं, इस पर मेरा ध्यान केंद्रित है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

हैदराबाद में अब तक टेस्ट नहीं हारा भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय स्पिनरों का सामना इंग्लैंड के खेलने के नए तरीके 'बैजबॉल' से होगा। ऐसे में यह सीरीज और ज्यादा रोमांचक होने वाली है। हैदराबाद में टीम इंडिया छह साल बाद कोई टेस्ट मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बाद अब भारत के सामने इस साल इंग्लैंड की चुनौती है। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत पहुंच चुकी है। गुरुवार (25 जनवरी) को सीरीज की शुरुआत हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगी। भारतीय स्पिनरों का सामना इंग्लैंड के खेलने के नए तरीके 'बैजबॉल' से होगा। ऐसे में यह सीरीज और ज्यादा रोमांचक होने वाली है। हैदराबाद में टीम इंडिया छह साल बाद कोई टेस्ट मैच खेलेगी।

भारत पिछली बार 2018 में यहां टेस्ट खेला था। तब उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट से जीत हासिल की थी। टीम इंडिया का रिकॉर्ड हैदराबाद में जबरदस्त है। उसे अब तक यहां एक भी मुकाबले में हार नहीं मिली है। भारत ने पिछले चार लगातार टेस्ट मैच यहां जीते हैं। हैदराबाद में टीम इंडिया को पांच टेस्ट मैचों में खेलने का मौका मिला है। इस दौरान चार में भारत को जीत मिली है। वहीं, एक मैच ड्रॉ रहा है।

भारत में इंग्लैंड का रिकार्ड

इंग्लैंड की टीम हैदराबाद में पहली बार कोई टेस्ट मैच खेलेगी। उसे अब तक यहां क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में खेलने का मौका नहीं मिला है। इंग्लिश टीम भारतीय जमीन पर अब तक 64 टेस्ट मैच खेली है। उसे सिर्फ 14 मैचों में जीत मिली है। भारत ने 22 मुकाबलों में जीत हासिल की है। 28 टेस्ट मैच ड्रॉ पर छूटे हैं।

हैदराबाद में अश्विन नंबर–1

राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर रविचंद्रन अश्विन भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं। उन्होंने यहां चार टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 27 विकेट झटके हैं। उनके जोड़ीदार रवींद्र जडेजा की फिरकी का जादू भी यहां चला है। जडेजा ने तीन टेस्ट मैचों में 15 विकेट हासिल किए हैं। टीम में शामिल खिलाड़ियों में कुलदीप यादव ने यहां एक टेस्ट मैच में गेंदबाजी की है। उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ चार विकेट लिए थे।

बल्लेबाजों में पुजारा सबसे आगे

चेतेश्वर पुजारा का बल्ला इस मैदान पर खूब चला है। उन्होंने चार टेस्ट मैचों में 510 रन बनाए हैं। हालांकि, वह सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए नहीं चुने गए हैं। पुजारा पिछली बार 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत के लिए खेले थे। उसके बाद से वह टेस्ट मैच नहीं खेल सके हैं। विराट कोहली का बल्ला भी यहां जमकर बोला है। उन्होंने चार टेस्ट में 379 रन बनाए हैं। वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। उनका चयन हुआ था, लेकिन कोहली ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। उन्होंने निजी कारणों से छुट्टी मांगी थी।